FUTURE TECH IT TRAINING INSTITUTE

An ISO 9001: 2015 Certifited Institute

Advance Your Career in Website Development, Digital Marketing, AI, and More

BOOST YOUR CAREER TO THE NEXT LEVEL OF

SOFTWARE ENGINEER || DATA SCIENCE || MACHINE LEARNING || NETWORKING || CYBER SECURITY ||
INTERNET OF THINGS (IO INTERNET OF THINGS (IOT) || MOBILE APP DEVEL MOBILE APP
DEVELOPMENT || WEB DESIGNING & DEVEL || WEB DESIGNING & DEVELOPMENT || OPMENT ||
ARTIFICIAL INTELLIGENCE (AI) TIFICIAL INTELLIGENCE (AI) || CLOUD COMPUTER || OUD COMPUTER ||
ETHICAL HA ETHICAL HACKING || CKING || DIGITAL MARKETING || AL MARKETING ||

https://futuretechit.in Help Desk :7232012936

About FutureTech

Future Tech एक आईटी प्रशिक्षण संस्थान है जो भारत के विभिन्न शहरों में स्थित है। गहन अनुभव और विशेष दृष्टि के साथ हम आईटी के क्षेत्र में योगदान देने का प्रयास करते हैं। हम सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर, मोबाइल एप्लीकेशन, वेबसाईट डेवलपर, हार्डवेयर, नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा और एथिकल हैकिंग के क्षेत्र में छात्रों को उच्च गुणवता की शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करते है।

2012 से, विशेषज्ञों की हमारी टीम उचित मूल्य पर छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से काम करती है। हम विद्यार्थियों को आईटी के क्षेत्र मे अपने SKILL को Develop करने के साथ-साथ छात्रों को विश्व स्तर पर Certificate हासिल करने में मदद करते हैं। हमारा प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न उद्योगों में छात्रों के लिए करियर के नए दरवाजे खोलता हैं।

हमारे मजबूत प्रशिक्षण कार्यक्रम और नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रम की मदद से हम छात्रों को नेटवर्क स्पेशलिस्ट, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, एपलिकेशन डेवलपर, डेस्कटॉप सपोर्ट इंजिनीयर, साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट,असिस्टेंट चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर और विभिन्न अन्य में अपना करियर बनाने में मदद करते है।

हमारी टीम उत्कृष्टता की ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए आपकी प्रतिभा, आपकी आवश्यकता और समर्थन का विश्लेषण करती है। हमारा मानना है कि प्रत्येक छात्र के जीवन में कुछ करने की अथवा सीखनें की क्षमता होती हैं। उन्हे बस एक अच्छे शिक्षक और संस्था के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती हैं।

Information technology

Information Technology उन महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्रों में से एक है जो कंप्यूटिंग, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, दूरसंचार और जानकारी के हस्तांतरण से संबंधित सभी चीजों में काम करती है। इसकी जिम्मेदारियां सिस्टम और डेटा सुरक्षा से नेटवर्किंग के प्रबंधन के लिए होती हैं।

बिजनेस विकास दर में आईटी की भूमिका-

आईटी इंडस्ट्री पूरी दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाला सेक्टर है।यह हमारे रोजमर्रा की जिंदगी का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है चाहे वह शिक्षा, या मनोरंजन, या व्यापार का क्षेत्र हो, सब कुछ।T द्वारा किया जाता है। इस आईटी संचालित कॉर्पोरेट दुनिया में व्यवसाय में बढ़ने के नए तरीकों को निर्धारित करना आवश्यक है।यह समझना महत्वपूर्ण है कि व्यवसाय प्रबंधक अकेले व्यवसाय का प्रबंधन नहीं कर सकते हैं, वहां दृष्टि और आईटी एक साथ उच्च उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

आईटी से संबंधित नौकरियां और उद्योग-

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है जो जल्द ही विश्व का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी हब भी बनने वाला है, यही वजह है कि भारत में स्किल्ड टेक्निकल ग्रेजुएट्स की संख्या लगातार बढ़ रही हैं, मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ग्रेजुएट्स की संख्या में हर साल 7% की बढ़त हो रही है।

ये निरंतर बच्चों को आगे बढ़ने में मदद कर रहा है और बहुत से नये - नये नौकरियों के अवसर प्रदान भी कर रहा है।जैसे कि -

● नेटवर्क सपोर्ट इंजिनीयर ●टेक्निकल सपोर्ट इंजिनीयर ●सॉफ्टवेयर टेस्टर ●सॉफ्टवेयर एडमिनिस्ट्रेटर
● कम्प्यूटर स्पेशलिस्ट ●साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट ●असिस्टेंट चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर

उद्योग के हर क्षेत्र में आईटी विशेषज्ञों की सिफारिश की जाती है चाहे वह सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, नेटवर्किंग, डेटा प्रबंधन, डेटा विश्लेषण या कोई अन्य हो।

Information technology

डिजिटल इंडिया क्या है ?

डिजिटल इंडिया भारत सरकार द्वारा चलाये जाने वाला एक बेहतरीन कार्यक्रम है, जिसका उद्‌देश्य सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था को एक डिजिटल रूप देना है। मतलब भारत में चल रहे छोटे-बड़े सभी सरकारी विभागों को डिजिटल रूप देकर उसकी गति को और आगे बढ़ाना है।

डिजिटल इंडिया से संबंधित योजनाएं

भारत के विकास के लिए डिजिटल इंडिया के अंतर्गत कुछ प्रमुख योजनायें चलायी जा रही है जिसमें प्रत्येक नागरिक को कई डिजिटल सुविधाऐं मिलेगी। जैसे कि

- ब्रॉडबैंड हाईवे की सुविधा
- मोबाइल कनेक्टिविटी
- पब्लिक इन्टरनेट एक्सेस कार्यक्रम
- ई-गवर्नेंस
- ई-क्रांति

डिजिटल इंडिया आईटी क्षेत्र के विकास में कैसे मदद करता है ?

आजकल प्रत्येक चीज प्रौद्योगिकी पर निर्भर है और डिजिटल इंडिया लोगों को इसके बारे में समझने में मदद करता है इस वजह से अधिक से अधिक लोग दुनिया और आईटी उद्योग से जुडे हुए हैं,ई-कॉमर्स, ई-बैंकिंग, ई-टिकटिंग से लेकर एजुकेशन और हेल्थकेयर, पुलिस से लेकर कोर्ट तक हर सेन्टर को डिजिटल बनाने के ठोस प्रयास शुरू कर दिए गए है। जाहिर है, इन सभी क्षेत्रों में टेक सेवी युवाओं की जरूरत बढ़ेगी। वेब डिजाइनर्स, डेवलपर्स, प्रोग्रामर्स और डिजिटल सॉल्यूशन, मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड होगी।यही वजह है कि केन्द्र सरकार आने वाले पांच वर्षों में न सिर्फ स्किल्ड आईटी फोर्स तैयार करना चाहती है, बल्कि डिजिटल इंडिया के माध्यम से डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर बड़े पैमाने पर जॉब क्रिएशन करने का इरादा भी रखती है। डिजिटल इंडिया पहल में मदद के लिये बाहरी स्त्रोत नीति भी एक योजना है। मोबाईल पर ऑनलाईन सेवाओं के बेहतर प्रबंधन के लिये जैसे वॉइस, डाटा, मल्टीमीडिया आदि बीएसएनएल के अगली पीढ़ी का नेटवर्क 30 साल पुराने टेलिफोन एक्सचेंज को बदल देगा। ई-अस्पताल के माध्यम से महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परक सेवाओं को आसान बना सकता है जैस ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन, डॉक्टर से मिलने का वक्त लेना, फीस जमा करना, ऑनलाईन लक्षणिक जांच करना, खून जाँच आदि।

Networking

कम्प्यूटरीकृत होते इस युग में कम्प्यूटर ज्ञान रखने वाले युवाओं के लिए भी करियर अवसर बढ़े हैं। धीरे-धीरे सभी क्षेत्रों की कार्यप्रणालियां कम्प्यूटर पर आधारित होने लगी हैं। जो कार्य पहले मनुष्यों द्वारा होता था वह अब कम्प्यूटर करने लगे हैं। इससे कार्य की गति भी तेज हुई है और समय और संसाधन भी कम लगते हैं।

भारत सहित पूरे विश्व में बढ़ते आधुनिकीकरण से कम्प्यूटर नेटवर्किंग में करियर की अपार संभावनाएं हैं। टेलीफोन, रेलवे, बैंकों जैसे क्षेत्रों की कार्यप्रणालियां अब कम्प्यूटर द्वारा संचालित होने लगी है। कम्प्यूटर से इन सेवाओं का जुडाव नेटवर्किंग के जरिए होता है। नेट बैंकिंग, फोन बैंकिंग, रेल या एयर रिजेंवेशन आदि भी कम्प्यूटर नेटवर्किंग द्वारा संचालित होता है। कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर में डेटा आदि भेजना ही नेटवर्किंग कहलाता है। नेटवर्किंग के रखरखाव, सही संचालन के लिए कम्प्यूटर नेटवर्किंग में दक्ष युवाओं की आवश्यकता होती है। दिनोदिन बढ़ने कम्प्यूटर नेटवर्किंग से इस क्षेत्र में करियर संभावनाएं भी बनने लगी हैं।

कम्प्यूटर नेटवर्किंग का कोर्स करने के बाद नेटवर्क इंजीनियर, नेटवर्क सिक्योरिटी एक्सपर्ट, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, डेस्कटॉप सपोर्ट इंजीनियर, टीम लीडर टेक्निकल हेड, टेक्निकल सपोर्ट इंजीनियर, सिस्टम एनालाइजर आदि बनकर अपना करियर बनाया जा सकता है।

कम्प्यूटर नेटवर्किंग में दो तरह के कोर्स होते हैं - नेशनल और इंटरनेशनल। जिनकी परीक्षा व सर्टिफिकेट इंटरनेशनल संस्थानों द्वारा लिए जाते हैं। वे इंटरनेशनल कोर्स होते हैं। इस संस्थानों से कोर्स करने वाले युवाओं को दुनिया के हर देश में जॉब मिल सकती है। इंटरनेशनल कोर्सों में प्रमुख हैं माइक्रोसॉफ्ट सर्टिफाइड सिस्टम इंजीनियर (एमसीएई), माइक्रोसॉफ्ट सर्टिफाइड सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर (एमसीएसए) आदि।

नेशनल कोर्सो में डिप्लोमा इन नेटवर्क टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन नेटवर्क टेक्नोलॉजी एंड डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन, एडवांस डिप्लोमा इन नेटवर्क टेक्नोलॉजी एंड सिक्योरिटी एक्सपर्ट, मास्टर इन नेटवर्क इंजीनियरिंग।

कम्प्यूटर नेटवर्किंग के कोर्सों में 12वीं उत्तीर्ण कर प्रवेश लिया जा सकता है। साथ ही अगर अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान है तो इस क्षेत्र में अच्छी करियर संभावनाएं है। इस क्षेत्र में कार्य करने वाले युवाओं को 20 हजार से लेकर 1 लाख तक वेतन हो सकता है। कम्प्यूटर नेटवर्किंग का कोर्स किसी भी छोटी या बड़ी कंपनी में कार्य किया जा सकता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने का सपना करें पूरा –

सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग एक ऐसा क्षेत्र है, जो आज भी साइंस पढ़ने वाले बच्चों के लिए एक ख्वाब सरीखा करियर है। नौवीं-दसवीं कक्षा से ही कई बच्चे एक अच्छा सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने की तैयारी में लग जाते हैं। सॉफ्टवेयर इंजीनियर को सिस्टम विश्लेषक भी कहा जाता है। प्रोग्रामिंग करना, सॉफ्टवेयर बनाना, फ्रीलांसिंग करना आदि कार्य करके सॉफ्टवेयर इंजीनियर व सॉफ्टवेयर कंपनियों लाखो-करोडों रूपये की कमाई कर रहे है।

आज के समय में हमारे देश में भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर को अच्छी सैलरी दी जाती है लेकिन फिर भी हमारे देश के अधिकतर सॉफ्टवेयर इंजीनियर विदेशों में नौकरी करते है। अमेरिका में 30 प्रतिशत इंजीनियर भारत के है, माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी है इसमें काम करने वाले 34 प्रतिशत कर्मचारी भारतीय है। इंटेल, आईबीएम, नासा, गूगल, फेसबुक, एप्पल, व्हाट्सएप्प इस सब कंपनियों में भी हमारे देश के सॉफ्टवेयर इंजीनियर बड़ी तादाद में ज्वाइन हो रहे है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर कैसे बनें

सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को दो विशेषताओं में विभाजित किया गया है। कम्प्यूटर एप्लिकेशन इंजीनियर और कम्प्यूटर सिस्टम इंजीनियर। कम्प्यूटर एप्लिकेशन इंजीनियर, उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं का व्यापक-केंद्रित कम्प्यूटर अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर के डिजाइन और निर्माण बनाए रखने के लिए विशिष्ट उपयोग कार्यक्रमों का विश्लेषण करते हैं। कम्प्यूटर सिस्टम इंजीनियरों बड़े संगठनों के लिए कम्प्यूटर सिस्टम का निर्माण, विकास और व्यवस्थित करते हैं।

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को सीखें। यदि आप एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहते है, तो इसके लिए आपको कम्प्यूटर के कुछ भाषाओं का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है, जैसे C लैंग्वेज, C++, Java, पाईथन, सी शार्प इत्यादि, क्योंकि बिना कम्प्यूटर लैंग्वेज के आप किसी भी सॉफ्टवेयर को नहीं बना सकते। यदि आप कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, बीसीए, बैचलर ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी जैसे पाठ्सक्रमों में डिग्री करते है, इसमें आपको यह सभी पाठ्यक्रम बताए जाते है।

– प्रोग्रामिंग लॉजिक को बेहतर बनायें। इसके लिए बैचलर डिग्री जैसे की कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में आपको अलग से लॉजिक बिल्डिंग का कोर्स होता है, जिसकी मदद से आप अपने लॉजिक को इम्प्रूव कर सकते है।

– सॉफ्टवेयर बनाने का प्रयास करें। एक सॉफ्टवेयर को बनाने के लिए आपको किन-किन चीजों की आवश्यकता होगी, सिर्फ किताबी ज्ञान को अर्जित कर आप एक बेहतर सॉफ्टवेयर इंजीनियर नहीं बन सकते।

आगे के और रास्ते

– इंटर्नशिप करें। यदि आपने कम्प्यूटर साइंस में डिग्री पूर्ण कर लिया है, इसके पश्चात आपको छोटे सॉफ्टवेयर बनाना आ गया, तो आपको किसी कंपनी में एक फ्रेशेर इंटर्नशिप के लिए जाना चाहिए, इससे आप समझ पाएंगे कि सॉफ्टवेयर किस तरह बनता है ? और आपकी कोडिंग स्किल्स और अधिक इम्प्रूव होती चली जाएगी, इसके साथ ही आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में अनुभव हो जायेगा।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस क्या है और कैसे काम करता है ?

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस क्या है –

AI का पूरा नाम है Artificial Intelligence या हिन्दी में इसका अर्थ है कृत्रिम होशियारी या कृत्रिम दिमाग, ये एक ऐसा सिमुलेशन है जिससे की मशीनों को इंसानी इंटेलिजेंस दिया जाता है या यूँ कहे तो उनके दिमाग को इतना उन्नत किया जाता है कि वो इंसानों की तरह सोच सके और काम कर सके। ये खासकर कम्प्यूटर सिस्टम में ही किया जाता है। इस प्रक्रिया में मुख्यत: तीन प्रक्रियाएं शामिल है और वो हैं पहला लर्निंग (जिसमें मशीनों के दिमाग में सूचनाएं डाला जाता है और उन्हें कुछ नियम भी सिखाये जाते हैं जिससे की वो उन नियम का पालन करके किसी दिए हुए कार्य को पूरा करे), दूसरा है विचार (इसके अंतर्गत मशीनों को ये पढ़ाया जाता है कि वो उन बनाये गए नियमों का पालन करके परिणाम के तरफ अग्रसर हो जिससे की उन्हें लगभग या निश्चित निष्कर्ष हासिल हो) और तीसरा है स्वयं सुधार।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की फिलॉसफी

जब इन्सान कम्प्यूटर सिस्टम की असली ताकत की खोज कर रहा था, तब मनुष्य की अधिक जानने की इच्छा ने उसे ये सोचने में बाध्य किया कि "क्या मशीनें भी हमारी तरह सोच सकते हैं ?" और इसी तरह ही आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के विकास की शुरूवात हुई जिसका की केवल एक ही उद्देश्य था कि एक ऐसी इंटेलिजेंट मशीन की संरचना की जाये जो कि इंसानों की तरह ही बुद्धिमान हो और हमारे तरह ही सोच सके।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के लक्ष्य

- एक्सपर्ट सिस्टम बनाना – कुछ ऐसे सिस्टम को बनाना जो कि इंटेलिजेंट व्यवहार प्रदर्शन कर सके, जो कि सिख सके, दिखा सकें, समझा सकें और इसके साथ अपने उपयोगकर्ता को सलाह दे सके।
- मानव बुद्धि को मशीनों में लागू करना, ऐरो सिस्टम बनाना, जो कि इंसानों की तरह ही समझ, सोच, सिख और व्यवहार कर सके।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस क्या है ?

अगर हम वास्तविक दुनिया की बात करें तब, ज्ञान की कुछ अजीबोगरीब विशेषताएं है जैसे कि –

- इसका आयतन बहुत ही ज्यादा है, या यूँ कहे तो अकल्पनीय है।
- ये पूरी तरह से सुव्यवस्थित या अच्छी तरह फार्मेट नहीं है।
- इसके साथ साथ ये निरंतर बदलता रहता है।

AI तकनीकों को अगर कोई कॉम्पलेक्स प्रोग्राम के साथ लैस किया जाये तो उसकी निष्पादन की गति को बहुत हद तक बढ़ाया जा सकता है।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के उदाहरण

- Automation
- Machine Vision
- Pattern Recognition
- Machine Learning
- Natural Language Processing (NLP)
- Robotics

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और हमारा भविष्य

दिनबदिन Artificial Intelligence का इस्तेमाल बढ़ते ही जा रहा है। हम मनुष्य धीरे धीरे ऐसे मशीनों के ज्यादा आदि बनते जा रहे हैं। हम हमारी जरूरतों को पूरा करने की कोशिश में Artificial Intelligence को और भी ज्यादा शक्तिशाली और ज्यादा Advance कर रहे हैं ताकि ये हमारे कठिन से कठिन काम कर सके, ऐसा होने से हमारे जाने अनजाने में ये मशीन और भी ज्यादा ताकतवर बन जा रहे हैं, और इनमें सोचने की शक्ति भी धीरे धीरे बढ़ रही है जिससे ये कभी भी परिस्थिति में खुद को ढाल सकते हैं और ये हमारे लिए अच्छी बात नहीं है।

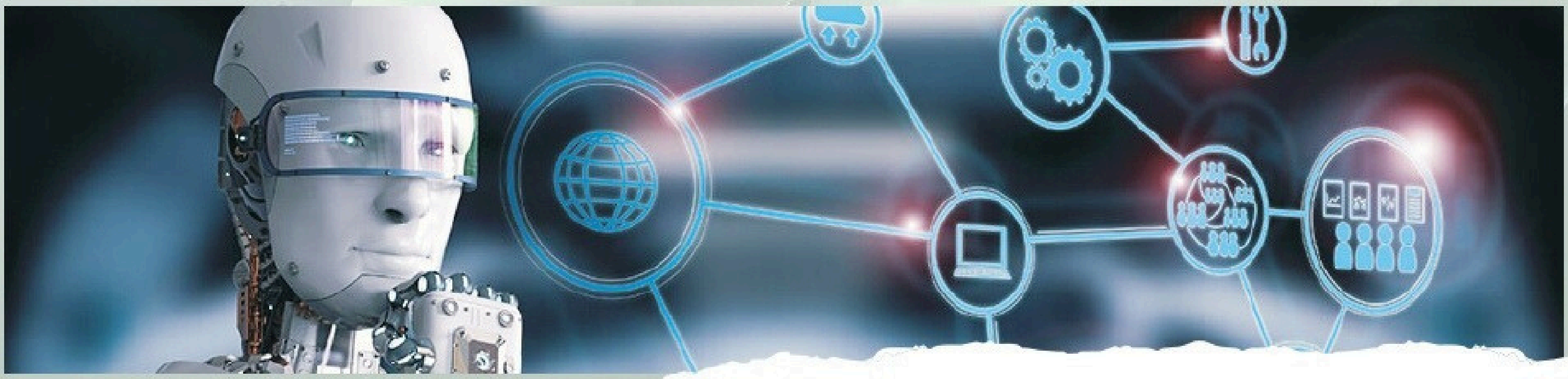

10वीं व 12वीं के बाद दें कॅरियर को उड़ान

बारहवीं के बाद हर स्टूडेंट और पैरेंट्स को अपने बच्चे के भविष्य की चिंता रहती है। स्कूल तक की पढ़ाई तो आराम से हो जाती है लेकिन करियर का असली संग्राम तो बारहवीं के बाद शुरु होता है। अगर गलत कोर्स या फील्ड चुन ली तो पूरा करियर खराब होने का डर हमेशा सताता रहता है। अगर आप भी बारहवीं के बाद के करियर ऑपशन्स को लेकर परेशान है तो आप इन कोर्सेज पर ध्यान दें।

जहां एक तरफ हमारा देश भारत आर्थिक तरक्की की नई-नई मिसालें कायम कर रहा है, वहीं हमारे देश में आज भी कई बार स्टूडेंट्स विभिन्न व्यक्तिगत और आर्थिक कारणों की वजह से अपनी 10 वीं या 12 वीं क्लास की पढ़ाई पूरी करने के बाद कोई डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं ताकि जल्दी ही अपनी पसंद की फील्ड में कोई जॉब कर सकें या फिर, अपना करियर शुरू कर सकें. डिप्लोमा कोर्सेज को हमारे देश में अक्सर ''शॉर्ट-टर्म कोर्सेज'' कहा जाता है। ये डिप्लोमा कोर्सेज अपने सिलेबस के मुताबिक लंबी अवधि के भी हो सकते हैं। ये डिप्लोमा कोर्सेज जॉब ओरिएंटेड कोर्सेज हैं और फुल टाइम डिग्री कोर्सेज की तुलना में इन डिप्लोमा कोर्सेज की लागत और समयावधि काफी कम होती है। डिप्लोमा कोर्सेज में विभिन्न प्रकार के स्पेशलाइजेशन होते हैं जिन्हें आप अपनी पसंद और स्किल-सेट के अनुसार चुन सकते हैं।

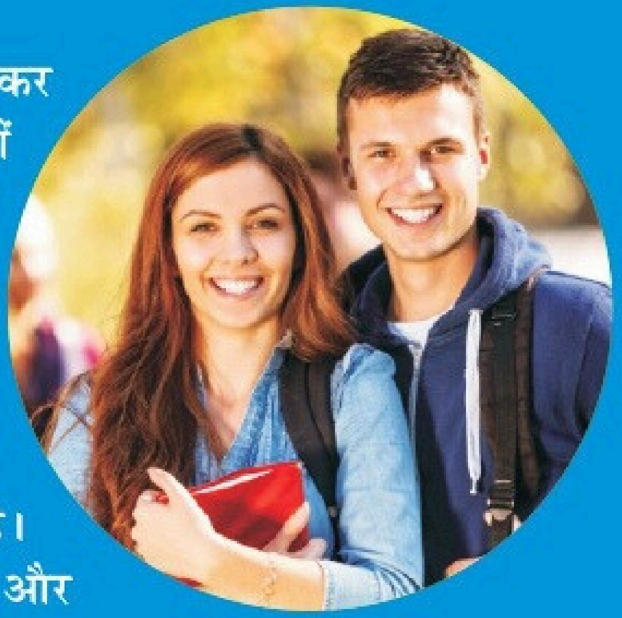

प्रत्येक मनुष्य के जीवन की स्थिति और परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं. करीबन 1.35 अरब की जनसंख्या वाले हमारे देश में बहुत से यंगस्टर्स/ स्टूडेंट्स ऐसे भी हैं जिन्हें बचपन में सुरक्षित माहौल नहीं मिलता है और इस कारण उनकी पढ़ाई अधूरी रह जाती है।

स्टूडेंट्स के लिए डिप्लोमा कोर्स करने के लाभ :

आजकल डिप्लोमा कोर्सेज की इतनी ज्यादा लोकप्रियता का कारण सरल एडमिशन प्रोसेस, कम फीस और अपनी मनचाही जॉब करने की सहूलियत या फिर, अपनी मनचाही फील्ड में करियर शुरू करने का एक आधार है। अगर आप भी अपने लिए कम समय में एक अच्छी नौकरी पाना चाहते हैं, मुश्किल कॉम्पीटिशन से बचना चाहते हैं या फिर, आगे पढ़ाई जारी रखने के लिए आपकी वित्तीय स्थिति इजाजत नहीं देती है तो आप अपनी 10वीं/ 12वीं क्लास पास करने के बाद अपनी पसंद का कोई जॉब ओरिएंटेड डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं.

इसके अलावा, अगर आप कम समय में अपना पसंदीदा करियर शुरू करना चाहते हैं तो अपने स्पेशलाइजेशन में डिप्लोमा कोर्स कर लें क्योंकि आजकल अधिकांश इंडस्ट्रीज कैंडिडेट्स के एकेडेमिक रिकार्ड्स पर ज्यादा ध्यान न देकर उनकी वर्क-स्पेशलाइजेशन-फील्ड में टेक्निकल स्किल सेट को ज्यादा महत्व देती हैं। किसी डिग्री कोर्स की तुलना में, डिप्लोमा कोर्सेज में स्टूडेंट्स और कैंडिडेट्स को उनकी वर्क-फील्ड की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग ज्यादा दी जाती है। इसलिए अपनी फील्ड में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आपके करियर में ग्रोथ के चांसेज काफी बढ़ जाते हैं।

हम कोई जॉब ओरिएंटेड डिप्लोमा कोर्स आखिर क्यों करें ?

आजकल के इस 'इंस्टेंट टाइम' में स्टूडेंट्स बहुत जल्दी अपनी पढ़ाई खत्म करके अपनी पसंद की जॉब पाना चाहते हैं या फिर, अपना पसंदीदा पेशा शुरू करना चाहते हैं. इसलिए, डिप्लोमा कोर्सेज स्टूडेंट्स की पहली पसंद बन चुके हैं. यद्यपि, ये डिप्लोमा कोर्सेज जॉब/ करियर ओरिएंटेड होते हैं तो भी स्टूडेंट्स/ कैंडिडेट्स को कोई जॉब करने के साथ ही कॉरेस्पोंडेंस के माध्यम से अपनी ग्रेजुएशन/ पोस्ट-ग्रेजुएशन की डिग्री जरुर प्राप्त करनी चाहिए ताकि वे अपने पेशे या जॉब-फील्ड में काफी तरक्की कर सकें।

एकेडेमिक फील्ड में हायर डिग्रीज पाने तक अपनी पढ़ाई लगातार जारी रखने की तीव्र इच्छा के बावजूद अगर 10वीं या 12वीं के बाद आगे की पढाई नहीं कर पाये और आपकी कई सामाजिक, आर्थिक मजबूरियां हैं तो विभिन्न डिप्लोमा कोर्सेज आपको अपनी मंजिल तक पहुंचा सकते हैं। यकीन करें, अगर आपने सफलतापूर्वक कोई डिप्लोमा कोर्स कर लिया तो फिर, जॉब के लिए आपको बहुत दिन तक भटकना नहीं पडेगा। मिनिस्ट्री ऑफ़ माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइसेज के साथ-साथ कई राज्य स्तरीय संस्थान विभिन्न डिप्लोमा कोर्सेज करवाते हैं। इन डिप्लोमा कोर्सेज में से अपनी पसंद का कोई कोर्स कर लेने पर आप अपनी मनचाही फील्ड में जॉब कर सकते हैं या फिर, अपना पेशा शुरू कर सकते हैं। आपकी सहूलियत के लिए यहां कुछ प्रमुख डिप्लोमा कोर्सेज की एक लिस्ट पेश है :-

डिप्लोमा कोर्स उन सभी स्टूडेंट्स के लिए बहुत अच्छा ऑप्शन है जो अपना करियर 10वीं/ 12वीं क्लास के बाद ही शुरू करना चाहते हैं, स्टूडेंट्स अपने इंटरेस्ट के मुताबिक कोई डिप्लोमा कोर्स करके अपने स्किल्स को इम्प्रूव कर सकते हैं। इसी तरह, जो स्टूडेंट्स अपनी 12वीं क्लास पास नहीं कर पाते हैं, उनके लिए भी 10वीं क्लास के आधार पर कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं।

10वीं/ 12वीं पास स्टूडेंट्स के लिए कुछ लोकप्रिय कंप्यूटर कोर्सेज :-

- वेब डिजाइनिंग
- सॉफ्टवेयर या एप्लीकेशन डेवलपमेंट
- हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग
- फोटोशॉप
- एनीमेशन
- डिसरप्टिव टेक्नोलॉजी
- डाटा एनालिस्ट
- जर्नलिज्म
- टेली
- वेब डेवलपर
- ग्राफ़िक डिजाइनिंग
- मोबाइल एप्लीकेशन डेवलपर
- साईबर सिक्योरिटी
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- डिजिटल मार्केटिंग
- हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेन्ट में डिप्लोमा
- नर्सिंग
- डिप्लोमा इन फेशन डिजाइन

सारांश :

यदि किसी कारणवश स्टूडेंट्स को अपनी 10वीं/ 12वीं क्लास पास करने के बाद जॉब करनी पड़े या फिर अपना करियर शुरू करना पड़े तो अब वे बिना किसी परेशानी के उक्त डिप्लोमा कोर्सेज में से अपनी पसंद का कोई कोर्स चुन सकते हैं और कोर्स पूरा करने के बाद अपनी मनचाही फील्ड में जॉब या करियर शुरू कर सकते हैं। अपनी फील्ड में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आपका स्किल-सेट निखर जाता है और आपको जॉब में अन्य फ्रेशर कैंडिडेट्स की तुलना में ज्यादा प्रेफरेंस मिलती है या फिर, आप अपना करियर भी शुरू करके अपने कारोबार में सफलता के नए आयाम प्राप्त कर सकते हैं।

कॅरियर प्लानिंग से चुने बेहतर जॉब्स

पढ़ाई पूरी होने के बाद सभी की चाहत होती है कि उन्हें अच्छी नौकरी मिले। वो जिस क्षेत्र में भी कदम रखें उसमें सफलता प्राप्त करें। पढ़ाई के लिये जैसे प्लानिंग की जरुरत होती है वैसे ही करियर के लिये भी प्लानिंग बहुत महत्वपूर्ण है। आप जिस क्षेत्र में है उसमें आप आगे कैसे उन्नति करेंगे ये आप के करियर प्लान पर ही निर्भर होता है। हम आप को आज कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं।

जिन्हें अगर आप अपने करियर प्लान में शामिल करते हैं तो आप का सफल होना तय है।

1. किसी भी फील्ड या जॉब को चूज करने से पहले उसके बारे में सब कुछ जानना एक बेहतर करियर प्लानिंग की शुरुआत होती है। आप जिस फील्ड में जाना चाहते हैं उसके लिये आप को मेहनत के साथ जानकारी होना बेहद जरूरी है।
2. आप को पता है कि आप सही रास्ते पर हैं तो अगला कदम क्या होना चाहिये। क्या करना है और कैसे करना है आप को पता होना चाहिये। किन स्किल्स पर काम करना है। क्या पुराना छोड़ना है और क्या नया करना जिससे उस नौकरी में आगे ही आगे बढ़ा जा सके।
3. आज कि भागती-दौड़ती जिंदगी में लोग काम को तवज्जो देते हैं। निजी जिंदगी की तरह ध्यान ही नहीं जाता। परिवार छूट जाते हैं। घर में शांति नहीं रहती, सिर्फ काम ही काम रह जाता है। अब देख लीजिये कि कैसे यह संतुलन बनाये रख सकते हैं आप।
4. यह बहुत ही जरूरी है आज की दुनिया में क्योंकि जितने ज्यादा लोगों को आप जानते हैं। उनके साथ अच्छे संबंध रखते है उतने ही आपके चान्सेज बढ़ जाते हैं अपने काम में आगे बढ़ने के जैसे एक दूसरे का हाथ पकड़े बिना आगे बढ़ना मुश्किल है।
5. करियर में आगे बढ़ने के लिए अपने किसी सीनियर का हाथ थामना बहुत जरूरी है। जो आपकी गलतियां बताये और उन्हें होने से भी रोके। उन्हें सुधारने के तरीके भी बताये। हम से कोई भी अकेला आगे नहीं बढ़ सकता किसी ना किसी मेंटोर या गाइड की आवश्यकता हर किसी को रहती है।
6. नौकरी कभी ये देख कर नहीं करनी चाहिये की उसमें अच्छा पैसा है। काम आसान है। बल्कि यह देख कर करनी चाहिये कि दुनिया कहां जा रही है। जो काम आप कर रहे है उसका भविष्य क्या है। क्या आज से 5-10 साल बाद वो काम किसी को पसंद आएगा या उसकी जरुरत रह जायेगी या नहीं।
7. आप को अपनी क्षमताएं पता होनी चाहिये। क्या उस नौकरी के अनुसार आपकी स्किल्स और मानसिकता मेल खाती है। स्किल्स तो फिर भी सीखी जा सकती हैं लेकिन मानसिकता बदलना बहुत मुश्किल होता है। हर किसी के बस की बात भी नहीं है। इसलिए सारी जानकारी लेकर गहरायी से सोचियेगा।

Modular Courses

C
C++
HTML
CCNA
Microsoft® .NET
Java
CCNP
Cloud Computing
LINUX
MCSA
MCSE
BIG DATA hadoop
Digital Marketing

Job-Oriented Course

ADWP ADVANCE DIPLOMA IN WEB DEVELOPMENT PROFESSIONAL

LEVEL-I DURATION: 12 Months

COMPUTER BASIC WITH GRAPHIC DESIGNING

- Microsoft Office 2016 with Internet
- DSU (Digital Secure User)
- Computer Assembling Disassembling and Installation
- Adobe Photoshop
- Image Editing
- Illustrator
- Logo Design

LEVEL-II

FRONT END DEVELOPER - WEB DESIGNER

- HTML5
- CSS3
- JAVA SCRIPT
- JQUERY
- AJAX
- BOOTSTRAP
- ANGULARJS
- EXTRA (Spoken english, Personality development & HR)

LEVEL-III

BACK END DEVELOPER - WEB DEVELOPER

- CORE PHP
- ADV. PHP
- Database Language - SQL, MYSQL
- LARAVEL
- PROJECT

COMPLETE THREE LEVEL YOU MAKE FULL STACK DEVELOPER

LEVEL-IV

- INTERNSHIP

ADSP (ADVANCE DIPLOMA IN SOFTWARE PROGRAMMER)

SEMESTER-I DURATION: 18 Months

COMPUTER BASIC

- Microsoft Office 2016 with Internet Concepts
- DSU (Digital Secure User)
- Computer Assembling Disassembling and Installation

SEMESTER-II

FRONT END DEVELOPER- WEB DESIGNER

- HTML5
- CSS3
- JAVA SCRIPT
- JQUERY, AJAX
- ANGULARJS
- EXTRA (Spoken english, Personality development & HR)

SEMESTER-III

PROGRAMMING Fundamentals

- Programming with C
- Object Oriented Programming C++

SEMESTER-IV

Backend (Java Developer)

- Core Java
- Adv. Java
- JDBC
- JSP, Servlet
- Spring, Struts
- Hibernate, JPA
- Rest SOAP
- Maven, ANT
- Project

SEMESTER-V

DATABASE ARCHITECTURE

- Operating Systems Basic
- Redhat-RH-124 Essentials
- Oracle 11G-SQL

SEMESTER-VI

- Internship

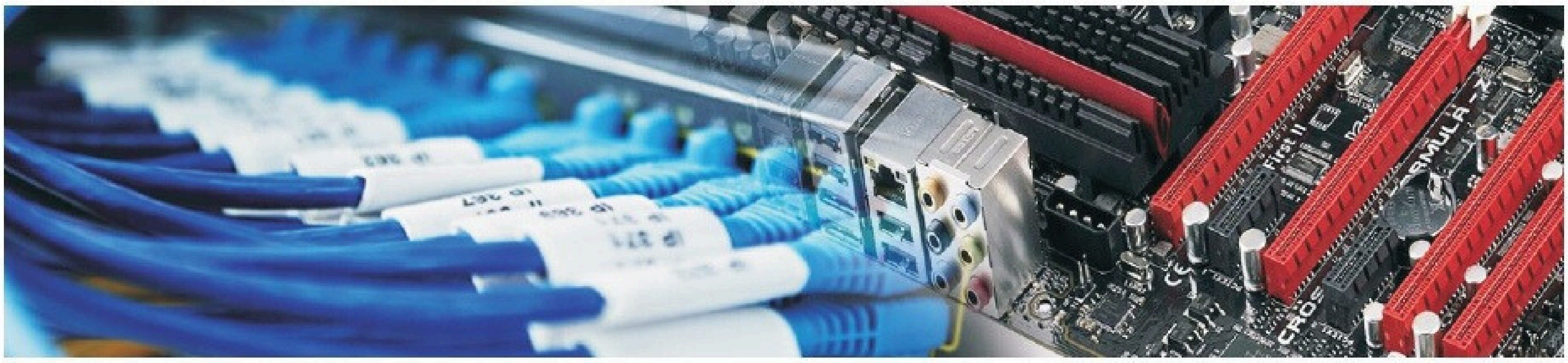

CHNP (COMPUTER HARDWARE & NETWORKING PROFESSIONAL)

DURATION: 12 Months

- Microsoft Office 2016 with Internet
- Computer Hardware
- Natworking Fundamentals
- MCSA - Server Administrator
- Cloud Computing
- Extra (Spoken english, Personality Development & HR)
- DSU (Digital Secure User)
- Laptop Maintenance
- CCNA
- LINUX-RHCSA (124, 135)
- Ethical Hacker

ADIT (ADVANCED DIPLOMA IN INFORMATION TECHNOLOGY)

DURATION: 18 Months

- Microsoft Office 2016
- Computer Hardware
- CCNA
- CWNA Wireless
- MCSE - (Microsoft Certified Solution Expert)
- Ethical Hacker
- EXTRA (Spoken english, Personality development & HR)
- CCSA - (Check Point Certified Security Administrator)
- DSU (Digital Secure User)
- Networking Fundamentals
- CCNP
- LINUX - RHEL 7 (124, 135 & 235)
- Cloud Computing

FutureTech
It Training & Services

Mob :- 7232012936 , 7414041236

Addmision Open

क्या आपने 10वीं, 12वीं और स्नातक किया हैं

और अपने करियर के बारे में उलझन में है ????

तो चुनें अपने भविष्य को उज्जवल बनानें के लिए

सर्वश्रेष्ठ आईटी प्रशिक्षण संस्थान जो है FUTURETECH

OUR BRANCHES

Goner Branch

Future Tech, Near by Adharsh Narshing Home , Sankh Road, Goner, Jaipur,Rajasthan 302039

Pratap Nager Branch

DIIT Educom Engineers Academy Ram Nagar 100-102 Pratap Nagar Bambala Pulia Tonk Road , Toll Tax, near Jaipuria Mgt College, Jaipur, Rajasthan 302033

Visit us

https://futuretechit.in/

futuretechitgoner@gmail.com

FUTURE TECH

Help Desk 7232012936